हरिभूमि

महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि

रोहतक, रविवार 12 जुलाई 2026

13 नपा का अतिक्रमण हटाओ अभियान चौथे...

14 तुगलकी फरमानः एक कॉलोनी को राहत देने के...

AIT KANINA PHARMACY COLLEGE
Approved by : AICTE & PCI, New Delhi
पॉलिटेक्निक करें नौकरी पाएं
B.PHARM (4 YEARS) D.PHARM (2 YEARS)
2 YEARS COURSE
ADMISSION OPEN
For Session 2026-27
Eligibility : 10+2 Pass (Medical & Non-Medical)
सीटें सीमित
पता : AIT Pharmacy College गाहड़ा रोड, कनीना Mob. : 9992696300, 9466464921

MR DEGREE COLLEGE
॥ तमसो मा ज्योतिर्गमय ॥
Affiliated to Indira Gandhi University, Meerpur (Rewari)
GET UPTO 100% SCHOLARSHIP
COURSE AVAILABLE
B.SC. (Medical) | B.SC. (Non-Medical)
B.A. | B.COM | M.SC. (Phy. & Chem.)
B.Ed. | JBT D-PHARMA
ADMISSION OPEN
Session 2026-27
For Admission Visit College Campus
Bus Facility Available From All Routes
MITTERPURA (M/GARH) HRY.
9466886066, 9416903367, 9416903021
mrcollegemitterpura@gmail.com

15 दिनों से चरमराई बिजली व्यवस्था, जनरेटर भी खराब, लैब, ओपीडी व वार्डों में मरीज परेशान

बिजली संकट: बेबस जिला नागरिक अस्पताल मोबाइल टॉर्च की रोशनी में देखे जा रहे मरीज

■ हालात बिगड़ने पर सर्जिकल वार्ड ट्रॉमा सेंटर शिफ्ट, मरीज बोले- जीवनरक्षक सेवाओं के लिए चाहिए भरोसेमंद पावर बैकअप

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

जिला नागरिक अस्पताल की बिजली व्यवस्था पिछले करीब पंद्रह दिनों से पूरी तरह चरमराई हुई है। जिले के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल में बिजली संकट का सीधा असर जीवनरक्षक स्वास्थ्य सेवाओं पर पड़ रहा है।

डायलिसिस मशीनें बीच उपचार में बंद हो रही हैं, ऑपरेशन प्रभावित हो रहे हैं, लैब की जांचें समय पर पूरी नहीं हो पा रहीं और ओपीडी में डॉक्टरों को कई बार मोबाइल की टॉर्च की रोशनी में मरीजों की जांच करनी पड़ रही है।

जनरेटर भी तकनीकी खराबी के कारण जवाब दे चुका है, जिससे मरीजों और चिकित्सकों की मुश्किलें कई गुना बढ़ गई हैं।

अस्पताल के पुराने भवन में संचालित ओपीडी, गायनी वार्ड, सर्जिकल वार्ड और कई अन्य आवश्यक सेवाएं बिजली गुल होने पर जनरेटर के सहारे चलती थीं। लेकिन बिजली कटौती के साथ जनरेटर खराब होने से पूरा सिस्टम प्रभावित हो गया।

कभी दस मिनट तो कभी आधे-एक घंटे तक बिजली नहीं आने से उपचार कार्य बार-बार बाधित हो रहा है। कई बार मशीनों को दोबारा चालू करने के लिए रीसेट करना पड़ता है, जिससे इलाज में अनावश्यक देरी हो रही है।

नारनौल। मोबाइल फोन की टॉर्च जलाकर मरीज देखते मानसिक रोग विशेषज्ञ डा. अनिल यादव। फोटो : हरिभूमि

बिना पंखे और एसी के काम करना मुश्किल

मानसिक रोग विशेषज्ञ डॉ. अनिल यादव ने बताया कि पिछले 10-12 दिनों से बिजली व्यवस्था बेहद खराब है। कई बार मोबाइल की टॉर्च जलाकर मरीजों की जांच करनी पड़ रही है। भीषण गर्मी में बिना पंखे और एसी के काम करना मुश्किल हो गया है। बिजली कटते ही अस्पताल का कामकाज प्रभावित हो जाता है। जिला अस्पताल में ऐसी स्थिति नहीं होनी चाहिए।

बिजली नहीं होने पर मशीनें हो जाती हैं बंद

सबसे गंभीर स्थिति डायलिसिस सेंटर की बनी हुई है। यहां किडनी मरीजों का चार से पांच घंटे तक चलने वाला डायलिसिस बार-बार रुक रहा है। बिजली गुल होते ही मशीनें बंद हो जाती हैं और रीसेट होने तक मरीजों को इंतजार करना पड़ता है। कई मरीजों और उनके परिजनों का कहना है कि बार-बार उपचार रुकने से संक्रमण और अन्य जटिलताओं का खतरा भी बढ़ जाता है। डायलिसिस मरीज सत्यप्रकाश गुप्ता ने बताया कि उनके लिए डायलिसिस सिर्फ इलाज नहीं बल्कि जीवन बचाने का माध्यम है। यदि डायलिसिस पूरा नहीं हो पाए तो शरीर से विषैले तत्व बाहर नहीं निकलते, जिससे सांस लेने में तकलीफ, शरीर में सूजन और अत्यधिक कमजोरी जैसी समस्याएं पैदा हो जाती हैं।

क्या कहते हैं सिविल सर्जन

गत शुक्रवार को एक पिकअप वाहन की टक्कर से बिजली का पोल क्षतिग्रस्त हो गया था, जिसकी मरम्मत में पूरा दिन लग गया। इसी दौरान अस्पताल के जनरेटर में तकनीकी खराबी आ गई थी। जनरेटर की मरम्मत करा दी गई है। सोमवार से अस्पताल में बिजली और पावर बैकअप की व्यवस्था पूरी तरह सामान्य हो जाएगी तथा मरीजों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होने दी जाएगी। -डॉ. अशोक कुमार, सिविल सर्जन, स्वास्थ्य विभाग, नारनौल

जमीनी विवाद को लेकर धमकी देने का केस दर्ज

कनीना। गांव सुंदरह में एक पुश्तैनी जमीन पर अवैध कब्जे व जान से मारने की धमकी देने के आरोप में पुलिस ने केस दर्ज किया है। सुंदरह निवासी महाबीर ने पुलिस चौकी दौंगड़ा अहीर में शिकायत देकर बताया कि गांव के ही मनोज ने उनकी पुश्तैनी आराजी पर जबरन और अवैध रूप से कब्जा कर लिया। इस जमीन में आरोपित का कोई हिस्सा नहीं बताया गया है। महाबीर का आरोप है कि आरोपित मनोज ने न केवल अवैध कब्जा किया है, बल्कि अन्य हिस्सेदारों के खेतों में जाने वाले रास्तों को भी रोक दिया है। जब उसने आरोपित से जमीन खाली करने व रास्ता खोलने को कहा, तो आरोपित ने गाली-गलोच करते हुए धमकी दी। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। जिसकी जांच की जिम्मेदारी एचसी नीलम को दी गई है।

SOMANY EDUCATIONAL INSTITUTIONS 25+ YEARS OF EXPERIENCE IN EDUCATION
* Somany Institute of Technology and Management * Somany College of Pharmacy
ADMISSIONS OPEN
COURSES OFFERED
SITM Courses
• B.Tech (CSE, ME, ECE, PT)
• M.Tech (CSE, ME, ECE, PT)
• BBA • BCA • MBA
SCP Courses
• D.Pharma
• B.Pharma
Upto 100% Scholarship
Facilities
• Experienced Faculty
• Modern Infrastructure
• Well Equipped Labs
• Placement Assistance
• Holistic Development
Delhi - Jaipur Highway, NH - 48, Near Rewari City Sector 26
www.somanyncr.in | www.somanycollegeofpharmacy.in
ADMISSION HELPLINE 9541069998 | 01274-261239 | 9034717734 | 7082539268

जलभराव समाधान के लिए किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

शहर में बरसात के दौरान होने वाली जलभराव की समस्या के स्थाई समाधान के लिए शनिवार को विधायक कंवर सिंह यादव ने जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों के साथ विभिन्न प्रभावित स्थानों का मौके पर निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधीक्षण अभियंता रविंद्र गोठवाल, कार्यकारी अभियंता अमित जैन, एसडीओ जियाराम और एसडीओ नरेंद्र सिंह भी मौजूद रहे।

विधायक ने बालाजी चौक, रिवासा फ्लाईओवर के नीचे, एसडीएम निवास के पास, महायचान मोहल्ला तथा गंगा देवी पांडेय के पास जलभराव वाले स्थानों का निरीक्षण कर अधिकारियों से समस्या के कारणों की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि जल निकासी व्यवस्था को प्राथमिकता के आधार पर दुरुस्त किया जाए।

महेंद्रगढ़। जलभराव की समस्या का निरीक्षण करते विधायक। फोटो : हरिभूमि

विधायक ने महेंद्रगढ़ खेल स्टेडियम का भी दौरा किया।

अधीक्षण अभियंता रविन्द्र गोठवाल ने कहा कि विधायक कंवर सिंह यादव के निर्देशानुसार महेंद्रगढ़ शहर के सभी जलभराव प्रभावित स्थलों का विस्तृत निरीक्षण किया गया है।

पावर हाउस की बिजली आज रहेगी बाधित

सतनाली मंडी। 132 केवी पावर हाउस सतनाली की बिजली आपूर्ति रविवार को सुबह नौ से दोपहर दो बजे तक बाधित रहेगी। निगम के एसडीओ हनुमान प्रसाद के अनुसार सब स्टेशन इंजीनियर सतनाली के अनुरोध पर 132 केवी पावर हाउस सतनाली व इससे संबद्ध 33 केवी पावर हाउस सुरेहती जाखल, सतनाली बास, बारड़ा, श्यामपुरा व नांवां से चलने वाले सभी घरेलू व कृषि फीडरों की बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी।

हरिभूमि एवं जनता TV
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
हरियाणवी म्यूज़िक अवार्ड 2026
हरियाणवी संगीत का गौरव
हरियाणवी संस्कृति, हमारी पहचान
1 अगस्त 2026 शनिवार
जीवीएम गर्ल्स कॉलेज, मुरथल रोड, सोनीपत (हरियाणा)
नॉमिनेशन का आज अंतिम दिन
Category
➤ Haryanvi Rapper of the Year (Male & Female)
➤ Haryanvi Ragni Singer of the Year (Ghada-Bhenjo) (Male & Female)
➤ Haryanvi Ragni Singer of the Year (Pakka Saaz) (Male & Female)
➤ Haryanvi Desi Pop Singer of the Year (Male & Female)
➤ Haryanvi Devotional Singer of the Year (Male & Female)
➤ Haryanvi Lyricist of the Year
➤ Haryanvi Music Composer of the Year
➤ Haryanvi Master/Mixer of the Year
➤ Haryanvi Most Melodious Song of the Year
Only for songs released from 1 January 2025 to 31 December 2025
नॉमिनेशन के लिए क्यूआर कोड को स्कैन करें
or visit our website at : www.haribhoomi.com
Last Date : 12 July 2026
नॉमिनेशन के लिए पात्रता
◆ केवल हरियाणवी बोली में जारी किए गए गीत ही नामांकन हेतु मान्य होंगे।
◆ गीत/संगीत कृति का आधिकारिक रिलीज वर्ष 2025 (1 जनवरी 2025 से 31 दिसंबर 2025) के बीच होना अनिवार्य है।
◆ नामांकन संबंधित श्रेणियों के अनुसार गायक/गायिका, रैपर, गीतकार, संगीतकार, म्यूजिक मिक्सर एवं अन्य पात्र कलाकारों द्वारा किया जा सकता है।
◆ अगर आप एक से ज्यादा कैटेगरी के लिए खुद को नॉमिनेट करना चाहते हैं, तो आपको हर कैटेगरी के लिए अलग-अलग नॉमिनेशन फॉर्म भरना होगा।
◆ नॉमिनेशन फॉर्म केवल नॉमिनी या उनके अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा ही भरा जा सकता है।
◆ कृपया सभी जानकारी सही एवं पूर्ण रूप से भरें। आयोजन समिति आवश्यक होने पर सभी प्रविष्टियों एवं दस्तावेजों का सत्यापन करने का अधिकार सुरक्षित रखती है। अपूर्ण अथवा गलत जानकारी वाले आवेदन निरस्त किए जा सकते हैं।
◆ सभी नॉमिनेशन का मूल्यांकन निर्णायक मंडल द्वारा किया जाएगा, जिसका निर्णय अंतिम और बाध्यकारी होगा।
◆ किसी भी कैटेगिरी में पांच से कम प्रतिभागी/नॉमिनी रहने पर उस कैटेगिरी को रद्द कर दिया जाएगा।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें 7404443155 advthbtv@gmail.com

पीजीटी शिक्षकों की नई टेंटेटिव सीनियोरिटी लिस्ट जारी, 21 जुलाई तक मांगे ऐतराज

■ माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने वेब पोर्टल पर अपलोड की सूची, तय समय के बाद नहीं सुनीं जाएगी कोई आपत्ति

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने 'रेस्ट ऑफ हरियाणा कैडर' के पीजीटी शिक्षकों की नई अनंतरिम वरिष्ठता सूची (टेंटेटिव सीनियोरिटी लिस्ट) जारी कर दी है। निदेशालय ने 2300 पन्नों की इस सूची को कुल तीन अलग-अलग भागों में तैयार कर अपने आधिकारिक वेब पोर्टल पर सार्वजनिक कर दिया है, ताकि संबंधित शिक्षक अपनी वरिष्ठता की जांच कर सकें और यदि कोई विसंगति हो तो समय रहते उस पर आपत्ति दर्ज करा सकें।

शिक्षकों के प्रतिवेदनों के बाद विभाग ने उठाया कदम: विभाग द्वारा इससे पहले चार सितंबर 2024 को एक संशोधित वरिष्ठता सूची प्रकाशित की गई थी, जिसमें एक जनवरी 2017 से पूर्व नियुक्त और पदोन्नत हुए पीजीटी शिक्षकों को शामिल किया गया था। उस सूची के आने के बाद प्रदेशभर से छूटे हुए शिक्षकों द्वारा लगातार निदेशालय को प्रतिवेदन भेजे जा रहे थे, जिनमें बाकी बचे हुए तमाम पीजीटी शिक्षकों के नाम भी वरिष्ठता सूची में शामिल करने की गुहार लगाई गई थी।

प्रिंसिपल के माध्यम से ई-मेल पर भेजनी होंगी आपत्तियां

निदेशालय की ओर से जारी आधिकारिक सूचना के अनुसार यदि किसी शिक्षक को इस नई टेंटेटिव सूची में अपने नाम, वरिष्ठता क्रम, जन्मतिथि या सेवा विवरण को लेकर कोई आपत्ति है, तो वे इस माह की आगामी 21 जुलाई तक अपने ऐतराज दर्ज करवा सकते हैं। शिक्षकों को अपनी आपत्तियां सीधे निदेशालय भेजने के बजाय अपने संबंधित स्कूल के प्रिंसिपल के माध्यम से निर्धारित प्रोफार्मा में सभी पुख्ता दस्तावेजों के साथ भेजनी होंगी। अधिकारियों ने दो टूक शब्दों में चेतावनी दी है कि तय तारीख और समय सीमा समाप्त होने के बाद किसी भी नए दावे या आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।

डीईओ को सभी शिक्षकों तक सूचना पहुंचाने के निर्देश

इस पूरी प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी और तय समय में मुकम्मल करने के लिए निदेशालय ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को भी विशेष जिम्मेदारी सौंपी है। जिला शिक्षा अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए गए हैं कि वे तुरंत प्रभाव से इस नोटिस को अपने-अपने जिलों के सभी खंड शिक्षा अधिकारियों, स्कूल प्राचार्यों और विशेष रूप से हर एक पीजीटी शिक्षक के संज्ञान में लाएं ताकि कोई भी पात्र शिक्षक तकनीकी अज्ञानता के कारण अपना दावा पेश करने से वंचित न रह जाए। इसके साथ ही विभागीय आईटी विंग को भी आदेश जारी कर दिए गए हैं कि सूची को लगातार पोर्टल पर लाइव रखा जाए।

शिक्षकों की इसी जायज मांग का संज्ञान लेते हुए विभाग ने अब यह नई समेकित टेंटेटिव सूची जारी की है। इसके साथ ही विभाग ने स्पष्ट कर दिया है कि शिक्षकों द्वारा पहले भेजे गए सभी पुराने प्रतिवेदनों का निपटारा इसी सूची के तहत माना जाएगा।

■ निवेशकों के साथ उद्योग की भी पहली पसंद बन रही चांदी

चांदी का बाजार अक्सर निवेशकों को चौंका रहा, बनाए रखें नजर

निवेशकों को सोने में 2 से 3 प्रतिशत तो चांदी में 5 से 8 प्रतिशत का लाभ

सोना, रुपया, क्रिप्टो व कॉपर तय कर रहे हैं चांदी की चाल

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

इसे वैश्विक अर्थव्यवस्था का बैरोमीटर भी कहा जाता है। जब उद्योगों में उत्पादन बढ़ता है तो कॉपर की मांग बढ़ जाती है। चूंकि चांदी का उपयोग भी इलेक्ट्रॉनिक्स, सोलर पैनल, बैटरी, मेडिकल उपकरण, इलेक्ट्रिक वाहन और कई आधुनिक तकनीकों में होता है, इसलिए कॉपर की तेजी कई बार चांदी की मांग बढ़ने का संकेत भी देती है। यही वजह है कि निवेशक कॉपर की कीमतों पर भी नजर रखते हैं।

चांदी को अक्सर सोने का विकल्प माना जाता है, लेकिन इसकी कीमत तय होने का तरीका सोने से कहीं अधिक जटिल है। यही कारण है कि कई बार जब सोना मामूली बढ़ता या घटता है, तब चांदी में कहीं अधिक तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिलता है। इसके पीछे सिर्फ मांग और आपूर्ति नहीं, बल्कि सोने की कीमत, डॉलर के मुकाबले रुपये की स्थिति, बिटकॉइन जैसे डिजिटल निवेश, कॉपर की चाल और वैश्विक आर्थिक घटनाक्रम भी जिम्मेदार होते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि चांदी एक ऐसी धातु है, जिसका इस्तेमाल निवेश के साथ-साथ उद्योगों में भी बड़े पैमाने पर होता है। इसलिए इसकी कीमत पर कई तरह के कारकों का एक साथ असर पड़ता है। यही वजह है कि चांदी का बाजार अक्सर निवेशकों को चौंका देता है।

सोना बढ़े तो चांदी क्यों दौड़ने लगती है?

सोना और चांदी दोनों को सुरक्षित निवेश का माध्यम माना जाता है। जब दुनिया में आर्थिक अनिश्चितता, महंगाई, युद्ध या वित्तीय संकट जैसे हालात बनते हैं, तब निवेशक सोने और चांदी में निवेश बढ़ा देते हैं। ऐसे समय में दोनों धातुओं की कीमतों में तेजी देखने को मिलती है। हालांकि, चांदी का बाजार सोने की तुलना में छोटा है। यही कारण है कि निवेश का थोड़ा-सा अतिरिक्त प्रवाह भी इसकी कीमतों में बड़ा बदलाव ला सकता है। कई बार सोने में 2 से 3 प्रतिशत की तेजी के मुकाबले चांदी 5 से 8 प्रतिशत तक बढ़ जाती है। इसी वजह से चांदी को अधिक उतार-चढ़ाव वाली कीमती धातु माना जाता है।

रुपये की मजबूती और कमजोरी का सीधा असर

भारत अपनी जरूरत का अधिकांश चांदी विदेशों से आयात करता है। इसलिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों के साथ-साथ डॉलर और रुपये की विनिमय दर भी घरेलू बाजार में अहम भूमिका निभाती है। यदि डॉलर के मुकाबले रुपया कमजोर होता है तो आयात महंगा हो जाता है। इससे भारतीय बाजार में चांदी की कीमत बढ़ जाती है, भले ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत स्थिर हो। वहीं, रुपया मजबूत होने पर आयात लागत कम हो सकती है और कीमतों में कुछ राहत मिल सकती है। यही कारण है कि विदेशी मुद्रा बाजार में होने वाले उतार-चढ़ाव पर चांदी के कारोबारी और निवेशक लगातार नजर बनाए रखते हैं।

बिटकॉइन का बढ़ता प्रभाव

डिजिटल युग में बिटकॉइन और अन्य क्रिप्टोकरेंसी भी निवेश की दुनिया का बड़ा हिस्सा बन चुके हैं। पिछले कुछ वर्षों में यह देखा गया है कि कई निवेशक अपने पोर्टफोलियो में सोना, चांदी और बिटकॉइन को वैकल्पिक निवेश के रूप में रखते हैं। जब क्रिप्टो बाजार में तेजी आती है तो कुछ निवेशक कीमती धातुओं से पैसा निकालकर बिटकॉइन में लगाते हैं। इसके विपरीत, जब बिटकॉइन में तेज गिरावट आती है या जोखिम बढ़ता है, तब निवेशक सुरक्षित विकल्प के तौर पर फिर से सोना और चांदी की ओर लौटते हैं। यही बदलाव चांदी की कीमतों में भी दिखाई देता है। कॉपर यानी तांबा दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण औद्योगिक धातुओं में शामिल है।

ग्रीन एनर्जी ने बढ़ाई उम्मीदें

दुनिया तेजी से स्वच्छ ऊर्जा की ओर बढ़ रही है। सोलर पैनलों के निर्माण में चांदी का महत्वपूर्ण उपयोग होता है। इसके अलावा इलेक्ट्रिक वाहनों, स्मार्ट इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और नई ऊर्जा तकनीकों में भी इसकी मांग लगातार बढ़ रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले वर्षों में यदि ग्रीन एनर्जी परियोजनाओं का विस्तार इसी गति से जारी रहा तो चांदी की औद्योगिक मांग और मजबूत होगी। इससे इसकी कीमतों को दीर्घकाल में समर्थन मिल सकता है।

वैश्विक घटनाओं से भी बदलती है दिशा

चांदी की कीमत केवल घरेलू कारणों से तय नहीं होती। अमेरिकी केंद्रीय बैंक की ब्याज दरें, डॉलर इंडेक्स, महंगाई के आंकड़े, कच्चे तेल की कीमतें और अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक तनाव भी इसकी चाल बदल सकते हैं।
यदि ब्याज दरें घटने की संभावना बनती है तो निवेशक कीमती धातुओं की ओर आकर्षित होते हैं। वहीं, डॉलर मजबूत होने पर अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी पर दबाव आ सकता है। इसी तरह युद्ध, व्यापारिक विवाद या वैश्विक आर्थिक मंदी जैसी घटनाएं भी निवेशकों की रणनीति बदल देती हैं।

निवेशकों के लिए सीख?

विशेषज्ञों का कहना है कि चांदी में निवेश केवल कीमत देखकर नहीं करना चाहिए। निवेश से पहले यह समझना जरूरी है कि बाजार में तेजी या गिरावट की वजह क्या है। यदि तेजी केवल किसी अस्थायी घटना के कारण है तो निवेश में सावधानी बरतनी चाहिए।

लंबी अवधि के निवेशकों के लिए चरणबद्ध निवेश (एसआईपी या नियमित अंतराल पर खरीद) अपेक्षाकृत सुरक्षित रणनीति मानी जाती है। इससे बाजार में अचानक आने वाले उतार-चढ़ाव का असर कम हो सकता है। चांदी की कीमतों में बार-बार होने वाले बदलाव के पीछे केवल एक कारण नहीं होता। सोने की चाल, रुपये की स्थिति, बिटकॉइन में निवेशकों का रुझान, कॉपर की मांग, औद्योगिक उपयोग और वैश्विक आर्थिक घटनाएं मिलकर इसकी दिशा तय करती हैं। यही वजह है कि चांदी कभी तेज रफ्तार से चमकती है तो कभी अचानक फिसल जाती है। आने वाले समय में ग्रीन एनर्जी, इलेक्ट्रिक वाहनों और आधुनिक तकनीक में बढ़ते उपयोग के कारण चांदी की मांग मजबूत रहने की संभावना है। हालांकि, निवेशकों को इसकी अस्थिर प्रकृति को समझते हुए सोच-समझकर और संतुलित रणनीति के साथ निवेश करना चाहिए।

मुश्किल वक्त की ढाल है सोना, ऐसे कर सकते हैं पैसों का इंतजाम

जानकारी
बिजनेस डेस्क

वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि गोल्ड लोन केवल जरूरत पड़ने पर ही लेना चाहिए। रोजमर्रा के खर्च, गैर-जरूरी खरीदारी या विलासिता की वस्तुओं के लिए आभूषण गिरवी रखना उचित नहीं माना जाता। यह विकल्प उन परिस्थितियों के लिए बेहतर है, जहां अचानक धन की जरूरत हो और उसके बदले कोई सस्ता व तेज विकल्प उपलब्ध न हो।

भारतीय परिवारों में सोना केवल आभूषण नहीं, बल्कि बचत और सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है। शादी-ब्याह, त्योहार और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर लोग वर्षों तक सोना खरीदते हैं। लेकिन जब अचानक पैसों की जरूरत पड़ती है तो कई परिवारों के सामने सबसे बड़ा सवाल होता है कि क्या अपनी जमा-पूंजी बेच दी जाए या कोई दूसरा रास्ता अपनाया जाए। वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसी परिस्थितियों में सोना बेचने के बजाय उसके बदले गोल्ड लोन लेना अधिक समझदारी भरा विकल्प हो सकता है। गोल्ड लोन की खास बात यह है कि इसमें आपको अपने आभूषण बेचने की जरूरत नहीं पड़ती। बैंक या वित्तीय संस्थान सोने को गिरवी रखकर उसकी कीमत के आधार पर ऋण उपलब्ध कराते हैं। लोन चुकाने के बाद वही आभूषण सुरक्षित वापस मिल जाते हैं। इस कारण यह विकल्प उन परिवारों के लिए उपयोगी माना जाता है, जिन्हें कम समय के लिए धन की आवश्यकता होती है। जीवन में कई बार ऐसी परिस्थितियां आ जाती हैं, जब अचानक बड़ी रकम की जरूरत पड़ जाती है। किसी परिवार में बीमारी, बच्चों की पढ़ाई, शादी, कारोबार के लिए कार्यशील पूंजी, खेती-किसानी या अन्य आपात स्थिति में तत्काल नकदी की जरूरत महसूस हो सकती है। ऐसे समय में यदि पर्याप्त बचत उपलब्ध न हो, तो लोग अक्सर सोना बेचने का निर्णय लेते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, यदि जरूरत अस्थायी है और कुछ महीनों में पैसा लौटाने की क्षमता है, तो सोना बेचने के बजाय गोल्ड लोन लेना बेहतर विकल्प हो सकता है। इससे परिवार की वर्षों की बचत भी सुरक्षित रहती है और जरूरत का पैसा भी मिल जाता है। गोल्ड लोन की राशि आपके पास मौजूद सोने की शुद्धता और बाजार मूल्य के आधार पर तय की जाती है। आमतौर पर अधिक शुद्ध सोने पर अधिक ऋण मिलने की संभावना रहती है। हालांकि, वित्तीय संस्थान नियामकीय नियमों के अनुसार सोने के मूल्य का एक निश्चित हिस्सा ही ऋण के रूप में देते हैं। लोन स्वीकृत होने की प्रक्रिया भी अपेक्षाकृत तेज होती है। जरूरी दस्तावेज पूरे होने पर कई मामलों में उसी दिन या कुछ घंटों के भीतर राशि खाते में जमा हो सकती है।

सोना बेचने और गिरवी रखने में क्या अंतर है

सोना बेचने पर वह हमेशा के लिए आपके हाथ से निकल जाता है। यदि भविष्य में उसकी कीमत बढ़ती है तो उसका लाभ भी आपको नहीं मिल पाता। दूसरी ओर, गोल्ड लोन में आभूषण आपकी संपत्ति बने रहते हैं। लोन चुकाने के बाद वही आभूषण वापस मिल जाते हैं। यही वजह है कि वित्तीय सलाहकार गोल्ड लोन को अल्पकालिक जरूरतों के लिए उपयोगी मानते हैं, जबकि स्थायी वित्तीय संकट में अन्य विकल्पों पर भी विचार करने की सलाह देते हैं।

लोन लेने से पहले इन बातों का रखें ध्यान

गोल्ड लोन लेने से पहले ब्याज दर, प्रोसेसिंग शुल्क, भुगतान की अवधि और समय पर किस्त चुकाने की क्षमता का आकलन जरूर करें। अलग-अलग बैंक और वित्तीय संस्थान अलग शर्तों पर ऋण उपलब्ध कराते हैं। इसलिए एक से अधिक संस्थानों की शर्तों की तुलना करना लाभदायक हो सकता है। यह भी समझना जरूरी है कि समय पर लोन का भुगतान नहीं होने पर अतिरिक्त ब्याज या अन्य शुल्क लग सकते हैं। लंबे समय तक भुगतान न होने की स्थिति में गिरवी रखा सोना नीलामी की प्रक्रिया तक पहुंच सकता है।

डिजिटल सुविधाओं से हुई प्रक्रिया आसान

पिछले कुछ वर्षों में गोल्ड लोन की प्रक्रिया पहले की तुलना में अधिक सुविधाजनक हुई है। कई बैंक और वित्तीय संस्थान ऑनलाइन आवेदन, दस्तावेज सत्यापन और लोन से जुड़ी जानकारी डिजिटल माध्यम से उपलब्ध करा रहे हैं। इससे ग्राहकों का समय बचता है और प्रक्रिया अधिक पारदर्शी बनती है।

क्या करें

- आपातकालीन जरूरत होने पर ही गोल्ड लोन लेने का फैसला करें।
- लोन लेने से पहले अलग-अलग बैंक और वित्तीय संस्थानों की ब्याज दर और अन्य शुल्क की तुलना करें।
- केवल उतनी ही राशि का लोन लें, जितनी वास्तव में जरूरी हो।
- लोन की अवधि और किस्तों का भुगतान समय पर करें, ताकि अतिरिक्त ब्याज या जुर्माने से बचा जा सके।
- गिरवी रखने से पहले सोने के आभूषणों का वजन और शुद्धता की जानकारी अपने पास सुरक्षित रखें।
- लोन से जुड़े सभी दस्तावेज और रसीदें संभालकर रखें।

क्या न करें

- गैर-जरूरी खर्च, लग्जरी सामान या छुट्टियां मनाने के लिए गोल्ड लोन न लें।
- केवल जल्दी पैसा मिलने के लालच में बिना शर्तें पढ़े किसी भी संस्था से लोन न लें।
- किस्तों का भुगतान टालने की गलती न करें, इससे ब्याज बढ़ सकता है और सोने की नीलामी का जोखिम भी पैदा हो सकता है।
- जरूरत से ज्यादा लोन लेकर भविष्य पर अनावश्यक वित्तीय बोझ न बढ़ाएं।
- किसी अनधिकृत या अविश्वसनीय संस्था के पास अपने आभूषण गिरवी न रखें।
- लोन की शर्तों, प्रोसेसिंग फीस और अन्य शुल्कों को नजरअंदाज न करें।

रेस्टोरेंट या क्लाउड किचन, किस बिजनेस में है ज्यादा मुनाफा?

बिजनेस डेस्क

भारत का फूड बिजनेस तेजी से बदल रहा है। कुछ साल पहले तक रेस्टोरेंट खोलना ही इस क्षेत्र में सफलता का सबसे बड़ा रास्ता माना जाता था, लेकिन ऑनलाइन फूड डिलीवरी के बढ़ते चलन ने तस्वीर बदल दी है। अब कम लागत में शुरू होने वाले क्लाउड किचन तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। यही वजह है कि नए उद्यमियों के सामने सबसे बड़ा सवाल है कि रेस्टोरेंट खोलें, क्लाउड किचन शुरू करें या दोनों का मिश्रित यानी हाइब्रिड मॉडल अपनाएं। विशेषज्ञों का मानना है कि सही बिजनेस मॉडल का चुनाव केवल लागत के आधार पर नहीं, बल्कि लक्ष्य, बजट, ग्राहकों की पसंद और स्थानीय बाजार की मांग को ध्यान में रखकर करना चाहिए।

क्या है क्लाउड किचन मॉडल?

क्लाउड किचन ऐसा किचन होता है, जहां केवल खाना तैयार किया जाता है और उसकी बिक्री ऑनलाइन ऑर्डर के माध्यम से होती है। इसमें ग्राहकों के बैठने, सजावट, सर्विस स्टाफ या बड़े शोरूम की जरूरत नहीं होती। ऑर्डर सीधे फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म या खुद के ऐप और वेबसाइट के जरिए ग्राहकों तक पहुंचाए जाते हैं। कम जगह और सीमित कर्मचारियों के कारण इसकी शुरुआती लागत पारंपरिक रेस्टोरेंट की तुलना में काफी कम होती है। यही वजह है कि छोटे निवेश वाले उद्यमी इसे तेजी से अपना रहे हैं।

रेस्टोरेंट की सबसे बड़ी ताकत क्या

रेस्टोरेंट केवल खाना बेचने का माध्यम नहीं, बल्कि ग्राहकों को एक अनुभव भी देता है। परिवार के साथ डिनर, दोस्तों की पार्टी, जन्मदिन का आयोजन या बिजनेस मीटिंग जैसी जरूरतों के लिए लोग आज भी रेस्टोरेंट का रुख करते हैं। यहीं पर ब्रांड की पहचान भी मजबूत होती है। अच्छा माहौल, बेहतर सेवा और स्वाद ग्राहकों को दोबारा आने के लिए प्रेरित करते हैं। इसके अलावा पेय पदार्थ, डेजर्ट और अन्य अतिरिक्त उत्पादों की बिक्री से भी रेस्टोरेंट की आय बढ़ती है।

कम लागत से बढ़त बनाते हैं क्लाउड किचन

क्लाउड किचन का सबसे बड़ा फायदा इसकी कम परिचालन लागत है। महंगे इंटीरियर, बड़े हॉल, अतिरिक्त कर्मचारियों और प्रमुख बाजार में दुकान लेने की जरूरत नहीं होती। इससे किराया, बिजली और रखरखाव का खर्च काफी कम हो जाता है। कम खर्च के कारण यदि बिक्री अच्छी हो तो मुनाफे की संभावना भी बढ़ जाती है। यही वजह है कि कई नए फूड ब्रांड पहले क्लाउड किचन से शुरुआत करते हैं और बाद में रेस्टोरेंट की ओर बढ़ते हैं।

ऑनलाइन डिलीवरी ने खोले नए अवसर

भारत में स्मार्टफोन और इंटरनेट की पहुंच बढ़ने के साथ ऑनलाइन खाना मंगाने का चलन भी तेजी से बढ़ा है। बड़े शहरों के साथ अब छोटे शहरों में भी लोग मोबाइल ऐप के जरिए खाना ऑर्डर कर रहे हैं। इस बदलाव का सबसे बड़ा फायदा क्लाउड किचन को मिला है। बिना अलग-अलग इलाकों में महंगे रेस्टोरेंट खोले भी एक ब्रांड कई क्षेत्रों में ग्राहकों तक पहुंच सकता है। इससे विस्तार आसान और अपेक्षाकृत कम खर्चीला हो जाता है।

हाइब्रिड मॉडल क्यों बन रहा है पसंद

फूड इंडस्ट्री में अब कई बड़े ब्रांड हाइब्रिड मॉडल अपना रहे हैं। इसमें एक या दो प्रमुख स्थानों पर रेस्टोरेंट चलाया जाता है, जबकि शहर के अन्य हिस्सों में क्लाउड किचन के जरिए ऑनलाइन ऑर्डर पूरे किए जाते हैं। इस मॉडल से एक तरफ ग्राहकों के बीच ब्रांड की पहचान मजबूत होती है, वहीं दूसरी ओर कम लागत में अधिक क्षेत्रों तक पहुंच बनाना संभव हो जाता है। यही कारण है कि कई विशेषज्ञ इसे भविष्य का संतुलित बिजनेस मॉडल मानते हैं। किसी भी फूड बिजनेस की सफलता केवल मॉडल पर निर्भर नहीं करती। सबसे पहले स्थानीय बाजार की मांग, प्रतिस्पर्धा, ग्राहकों की पसंद और निवेश क्षमता का आकलन करना जरूरी है।

लंबी अवधि के निवेशकों के लिए बाजार का ठहराव भी बन सकता है सुनहरा अवसर

शेयर बाजार में गिरावट का इंतजार नहीं करें, जारी रखें अपना निवेश

बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में निवेश करने वाले ज्यादातर लोग एक ही सवाल पूछते हैं क्या अभी निवेश करें या बड़ी गिरावट का इंतजार करें? यह दुविधा नए निवेशकों में सबसे ज्यादा देखने को मिलती है। कई लोग मानते हैं कि बाजार में तेज गिरावट आने के बाद निवेश करना ही सबसे अच्छा फैसला होता है। हालांकि, बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि केवल क्रैश का इंतजार करना कई बार महंगा साबित हो सकता है। यदि किसी निवेशक का लक्ष्य लंबी अवधि में संपत्ति बनाना है, तो अच्छी कंपनियों में चरणबद्ध तरीके से निवेश शुरू करना अधिक व्यावहारिक रणनीति हो सकती है। शेयर बाजार का सबसे कठिन काम यह तय करना है कि बाजार कब सबसे नीचे पहुंचेगा और कब सबसे ऊपर होगा। वास्तविकता यह है कि कोई भी निवेशक या विशेषज्ञ लगातार यह सटीक अनुमान नहीं लगा सकता। कई बार बाजार बिना किसी बड़ी गिरावट के ही नई ऊंचाइयों पर पहुंच जाता है। ऐसे में जो निवेशक केवल बड़ी गिरावट का इंतजार करते रहते हैं, वे अच्छे अवसर गंवा देते हैं।

ठहरा हुआ बाजार देता है सोचने का मौका

जब बाजार लगातार तेजी में होता है तो निवेशक अक्सर जल्दबाजी में फैसले लेते हैं। इसके विपरीत, जब बाजार सीमित दायरे में कारोबार करता है या कुछ समय तक ठहरा रहता है, तब निवेशकों के पास कंपनियों का मूल्यांकन करने का समय मिलता है। यही वह दौर होता है, जब किसी कंपनी के कारोबार, मुनाफे, कर्ज, प्रबंधन और भविष्य की संभावनाओं का शांत दिमाग से विश्लेषण किया जा सकता है। ऐसे समय में चुने गए मजबूत शेयर लंबी अवधि में बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं।

चरणबद्ध निवेश बेहतर

विशेषज्ञों का मानना है कि बाजार की दिशा का अनुमान लगाने के बजाय नियमित अंतराल पर निवेश करना ज्यादा प्रभावी रणनीति है। यदि निवेशक हर महीने या तय समय पर अच्छी कंपनियों में निवेश करता है, तो बाजार के उतार-चढ़ाव का औसत प्रभाव कम हो जाता है। यही कारण है कि म्यूचुअल फंड में एसआईपी और शेयरों में नियमित निवेश की रणनीति को लंबे समय के लिए उपयोगी माना जाता है। इससे निवेशक को बाजार के हर स्तर पर खरीदारी का अवसर मिलता है। हर गिरावट निवेश का अवसर नहीं होती। निवेश करने से पहले यह देखना जरूरी है कि कंपनी का कारोबार मजबूत है या नहीं। केवल सस्ती कीमत देखकर शेयर खरीदना सही रणनीति नहीं मानी जाती।

भावनाओं से नहीं, योजना से करें निवेश

शेयर बाजार में सबसे बड़ी चुनौती निवेशक की अपनी भावनाएं होती हैं। तेजी के समय लालच और गिरावट के समय डर अक्सर गलत फैसलों की वजह बनते हैं। कई निवेशक तेजी में ऊंचे भाव पर खरीदते हैं और गिरावट में नुकसान पर बेच देते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि निवेश हमेशा पहले से तय योजना के अनुसार होना चाहिए। यदि किसी कंपनी के मूलभूत आधार मजबूत हैं, तो बाजार में अस्थायी गिरावट घबराने का कारण नहीं बननी चाहिए।

अच्छी कंपनियों में चरणबद्ध तरीके से निवेश करना अधिक व्यावहारिक रणनीति

तीन से पांच साल का नजरिया रखिए

यदि निवेश का लक्ष्य कुछ महीनों का है, तो बाजार का उतार-चढ़ाव चिंता का विषय बन सकता है। लेकिन जिन निवेशकों का लक्ष्य तीन से पांच वर्ष या उससे अधिक का है, उनके लिए अल्पकालिक गिरावट का महत्व कम हो जाता है। भारत की अर्थव्यवस्था में बुनियादी ढांचे, विनिर्माण, बैंकिंग, डिजिटल सेवाओं, रक्षा और ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में लगातार निवेश बढ़ रहा है। यदि यह रफ्तार बनी रहती है, तो मजबूत कंपनियों को इसका लाभ मिल सकता है।
शेयर बाजार में निवेश हमेशा जोखिम के साथ आता है। कोई भी शेयर या सेक्टर लगातार अच्छा प्रदर्शन करेगा, इसकी गारंटी नहीं होती। इसलिए पूरा पैसा एक ही कंपनी या एक ही सेक्टर में लगाने के बजाय विविधीकरण करना बेहतर माना जाता है।

सही रणनीति अपनाएं

शेयर बाजार में सफलता केवल सही समय का इंतजार करने से नहीं, बल्कि सही रणनीति अपनाने से मिलती है। यदि निवेशक मजबूत कंपनियों का चयन करें, नियमित निवेश बनाए रखें और लंबी अवधि का नजरिया रखें, तो बाजार का मौजूदा ठहराव भी भविष्य की बेहतर कमाई का आधार बन सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि बाजार में उतार-चढ़ाव हमेशा रहेगा, लेकिन धैर्य, अनुशासन और सही कंपनियों का चुनाव ही निवेश को सफल बनाता है। इसलिए केवल बड़ी गिरावट का इंतजार करने के बजाय सोच-समझकर और चरणबद्ध तरीके से निवेश की शुरुआत करना अधिक व्यावहारिक कदम माना जा सकता है।

यह करना चाहिए

- निवेश से पहले अपने वित्तीय लक्ष्य और निवेश अवधि तय करें।
- मजबूत बुनियादी स्थिति (फंडामेंटल) वाली कंपनियों में ही निवेश करें।
- एकमुश्त निवेश के बजाय चरणबद्ध तरीके से निवेश करें।
- अलग-अलग सेक्टरों और कंपनियों में निवेश कर पोर्टफोलियो को विविध बनाएं।
- कंपनी के वित्तीय नतीजों, कर्ज, प्रबंधन और भविष्य की संभावनाओं का अध्ययन करें।
- बाजार में गिरावट आने पर घबराने के बजाय अपनी निवेश रणनीति की समीक्षा करें।
- लंबी अवधि का नजरिया रखें और धैर्य बनाए रखें।

यह नहीं करें

- केवल शेयर बाजार में बड़ी गिरावट (क्रैश) का इंतजार करते हुए निवेश टालते न रहें।
- सोशल मीडिया, अफवाहों या बिना रिसर्च के शेयर न खरीदें।
- लालच या डर में आकर बार-बार खरीद-बिक्री न करें।
- पूरा निवेश एक ही शेयर या एक ही सेक्टर में न लगाएं।
- उधार लेकर या आपातकालीन जरूरत के पैसे से शेयर बाजार में निवेश न करें।
- हर दिन के उतार-चढ़ाव को देखकर अपनी लंबी अवधि की रणनीति न बदलें।

-बिना जोखिम समझे केवल पिछले रिटर्न देखकर किसी शेयर में निवेश न करें।

24 जुलाई तक बिना विलंब शुल्क प्रवेश

निर्धारित प्रवेश शुल्क का ऑनलाइन भुगतान करना भी अनिवार्य

यूजी व पीजी द्वितीय एवं तृतीय वर्ष की प्रवेश प्रक्रिया शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। महाविद्यालय का मुख्यद्वार। फोटो : हरिभूमि

राजकीय महाविद्यालय महेंद्रगढ़ में स्नातक (यूजी) एवं स्नातकोत्तर (पीजी) कक्षाओं के द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन प्रवेश एवं प्रमोशन प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। महाविद्यालय प्रशासन ने विद्यार्थियों से समय रहते प्रवेश प्रक्रिया पूरी करने की अपील की है। महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. विजय यादव ने बताया कि विद्यार्थी 24 जुलाई तक बिना किसी विलंब शुल्क के अपना प्रवेश सुनिश्चित कर सकते हैं। इसके बाद प्रवेश संबंधी प्रक्रिया विश्वविद्यालय के निर्धारित नियमों एवं निर्देशों के अनुसार संचालित की जाएगी। प्राचार्य प्रो. विजय यादव ने कहा कि सभी पात्र विद्यार्थियों को अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना समय पर ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया पूरी करनी चाहिए, ताकि किसी प्रकार की तकनीकी समस्या, दस्तावेजों की कमी या सर्वर संबंधी परेशानी के कारण उन्हें असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने बताया कि प्रवेश एवं प्रमोशन की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन माध्यम से की जा रही है, जिससे विद्यार्थियों को पारदर्शी और सरल व्यवस्था उपलब्ध हो सके। उन्होंने जानकारी दी कि यूजी एवं पीजी के द्वितीय और तृतीय वर्ष में अध्ययनरत विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित पोर्टल पर आवश्यक विवरण भरकर आवेदन करना होगा। इसके साथ ही निर्धारित प्रवेश शुल्क का ऑनलाइन भुगतान करना भी अनिवार्य होगा। विद्यार्थियों को अपने सभी आवश्यक दस्तावेज, अंकपत्र, आधार कार्ड तथा अन्य जरूरी प्रमाणपत्र पहले से तैयार रखने की सलाह दी गई है ताकि आवेदन प्रक्रिया बिना किसी बाधा के पूरी हो सके। प्राचार्य ने कहा कि प्रवेश प्रक्रिया के दौरान यदि किसी विद्यार्थी को तकनीकी या अन्य प्रकार की समस्या आती है तो वह महाविद्यालय के संबंधित विभाग अथवा हेल्प डेस्क से संपर्क कर सकता है। महाविद्यालय प्रशासन विद्यार्थियों की हर संभव सहायता के लिए तैयार है। प्रवेश प्रक्रिया को सुचारु रूप से संपन्न कराने के लिए महाविद्यालय में आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं।

एंटी-रैगिंग अंडरटेकिंग भरना अनिवार्य

प्रो. गगनदीप यादव ने बताया कि सर्वोच्च न्यायालय और यूजीसी के निर्देशों के अनुसार सभी विद्यार्थियों के लिए एंटी-रैगिंग अंडरटेकिंग भरना अनिवार्य है और उसकी प्रति अपने प्रवेश पोर्टल पर अपलोड करें। उन्होंने कहा कि प्रवेश से संबंधित किसी भी जानकारी या सहायता के लिए विद्यार्थी महाविद्यालय के ऑनलाइन प्रवेश सहायता केंद्र से संपर्क कर सकते हैं। राजकीय महाविद्यालय, महेंद्रगढ़ ने सभी यूजी एवं पीजी द्वितीय तथा तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों से अपील की है कि वे विश्वविद्यालय के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए समय पर ऑनलाइन आवेदन करें, निर्धारित शुल्क जमा करें तथा अपने प्रवेश की पुष्टि अवश्य कर लें।

निर्धारित समय सीमा के भीतर करें प्रवेश प्रक्रिया पूरी

प्रो. विजय यादव ने कहा कि समय पर प्रवेश लेने से विद्यार्थियों की पढ़ाई नियमित रूप से शुरू हो सकेगी और उन्हें कक्षाओं, आंतरिक मूल्यांकन, प्रयोगात्मक कार्य तथा अन्य शैक्षणिक गतिविधियों में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होगी। उन्होंने अभिभावकों से भी अपील की कि वे अपने बच्चों को निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रवेश प्रक्रिया पूरी करने के लिए प्रेरित करें। महाविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि 24 जुलाई बिना विलंब शुल्क प्रवेश की अंतिम तिथि है। इसलिए सभी विद्यार्थी निर्धारित तिथि से पहले अपना ऑनलाइन प्रवेश एवं प्रमोशन कार्य पूरा कर लें। उन्होंने कहा कि अंतिम दिनों में पोर्टल पर अधिक संख्या में आवेदन आने के कारण तकनीकी दबाव बढ़ सकता है, इसलिए समय रहते आवेदन करना विद्यार्थियों के हित में रहेगा। उन्होंने बताया कि 24 जुलाई तक प्रवेश पर कोई विलंब शुल्क नहीं लगेगा। इसके बाद 25 जुलाई से 31 जुलाई तक 100 विलंब शुल्क देना होगा। वहीं 1 अगस्त से 7 अगस्त तक के साथ प्रतिदिन 100 अतिरिक्त विलंब शुल्क देना होगा।

खबर संक्षेप

स्पोर्ट्स शूटिंग एकेडमी का भव्य शुभारंभ

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र में खेल सुविधाओं के विस्तार की दिशा में शनिवार को एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए स्पोर्ट्स शूटिंग एकेडमी का विधिवत शुभारंभ किया गया। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे भाजपा नेता कुलदीप यादव बौचड़िया ने रिबन काटकर किया। इस अवसर पर संचालक प्रवीन सोनी ने बताया कि उनका उद्देश्य ग्रामीण प्रतिभाओं को पहचान कर उन्हें विश्वस्तरीय प्रशिक्षण उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि एकेडमी में आधुनिक उपकरणों और विशेषज्ञ प्रशिक्षकों के माध्यम से खिलाड़ियों को शूटिंग की बारीकियां सिखाई जाएंगी।

विशाल पौधरोपण अभियान 16 को

नारनौल। हरियाणा विधिक सेवाएं प्राधिकरण के दिशा निर्देश पर जिले में पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 16 जुलाई को एक विशाल पौधारोपण अभियान का आयोजन किया जाएगा। यह पूरा अभियान जिला एवं सत्र न्यायाधीश रितु वाईके बहल के मार्गदर्शन में संपन्न होगा। इस महाअभियान का उद्देश्य जिले के पर्यावरण संतुलन को सुदृढ़ करना और आम नागरिकों को प्रकृति के प्रति सचेत व सक्रिय बनाना है। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी नीलम कुमारी ने बताया कि 16 जुलाई को जिले के कोने-कोने में बड़े स्तर पर पौधे लगाए जाएंगे।

पत्रकार सुरेश लावणिया को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

महेंद्रगढ़। हरिभूमि अखबार के पूर्व पत्रकार स्वर्गीय सुरेश लावणिया के आकस्मिक निधन पर उनके निवास पर शोक संवेदनाएं व्यक्त करने वालों का लगातार तांता लगा रहा। विभिन्न राजनीतिक, सामाजिक एवं पत्रकारिता जगत से जुड़े लोगों ने पहुंचकर दिवंगत पत्रकार को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाया। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में विधायक कंवर सिंह यादव, जिला गौड़ ब्राह्मण सभा नारनौल प्रधान राकेश मेहता, हरियाणा कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह के भाई देवेंद्र यादव, बलवान फौजी, पूर्व जिला प्रमुख सुरेंद्र कौशिक, पत्रकार सुरेंद्र यादव, बसंत सेठ, विनोद पेट्रोल पंप, एडवोकेट मदन सिंह शेखावत, भाई राम सिंह सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

बीएलओ-बीएलई की हुई बैठक

सतनाली मंडी। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के अंतर्गत बीएलओ-बीएलई की बैठक का आयोजन किया गया। उपमंडल अधिकारी योगेश कुमार सैनी के मार्गदर्शन में कार्य कर रहे सुपरवाइजर विजय कुमार पारीक ने बताया कि सतनाली सहित क्षेत्र के 10 बूथों पर बीएलओ-बीएलई की बैठक आयोजित कर एएसडीडी लिस्ट पढ़कर सुनाई। इस दौरान उपस्थित लोगों को बताया गया कि यदि इस लिस्ट में किसी भी बीएलई या स्थानीय निवासी को कोई आपत्ति हो, तो अभी समय रहते अपने-अपने बीएलओ को मिले व उसकी उचित फॉर्म डाक्यूमेंट्स और फोटो दें, ताकि किसी उचित मतदाता का वोट नहीं रह जाए।

टीम ने सड़क पर रखे गए कई काउंटर और फ्लैक्स जब्त किए

सुबह के समय की कार्रवाई, आज नहीं हुई कोई बहस

नपा का अतिक्रमण हटाओ अभियान चौथे दिन भी जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। सड़क पर रखे सामान को जब्त करते कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

नगर पालिका ने शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने के उद्देश्य से चौथे दिन भी अभियान जारी रखा। शनिवार सुबह करीब साढ़े छह बजे नगर पालिका की टीम ने मुख्य बाजार और प्रमुख सड़कों पर पहुंचकर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की। सुबह का समय होने के कारण अधिकांश दुकानें बंद थीं और दुकानदार भी मौके पर मौजूद नहीं थे। इसी वजह से कार्रवाई के दौरान किसी प्रकार की बहस या विवाद की स्थिति नहीं बनी और अभियान शांतिपूर्ण ढंग से पूरा किया गया। नगर पालिका का यह अभियान शंकर मार्केट, बालाजी चौक, सीएसडी कैंटीन, यादव धर्मशाला, चौधरी रणबीर सिंह हुड्डा पार्क, राव तुलाराम चौक होते हुए नगर पालिका कार्यालय में समाप्त हुई। नगर पालिका के कर्मचारियों ने सड़क किनारे तथा फुटपाथों पर रखे गए फ्लैक्स, प्रचार सामग्री, काउंटर और अन्य सामान को हटाया। टीम ने सड़क पर रखे गए कई काउंटर और फ्लैक्स जब्त करते हुए उन्हें नगर पालिका के वाहनों में भरकर कार्यालय पहुंचाया। अधिकारियों का कहना है कि सार्वजनिक मार्गों पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण यातायात व्यवस्था को प्रभावित करता है और आम लोगों को आवागमन में परेशानी होती है। इसी उद्देश्य से लगातार अभियान चलाकर सड़कों को व्यवस्थित किया जा रहा है। कार्रवाई के दौरान नगर पालिका की टीम ने बाजार क्षेत्र, प्रमुख मार्गों और व्यस्त स्थानों का निरीक्षण किया। जहां भी सड़क या फुटपाथ पर सामान रखा मिला, उसे तत्काल हटाया गया। टीम ने स्पष्ट किया कि दुकानों के बाहर निर्धारित सीमा से अधिक सामान रखने की अनुमति नहीं दी जाएगी। यदि भविष्य में फिर से अतिक्रमण किया गया तो संबंधित दुकानदारों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। नगर पालिका अधिकारियों ने बताया कि पिछले तीन दिनों से लगातार अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया जा रहा है और चौथे दिन भी उसी क्रम में कार्रवाई की गई। लगातार अभियान चलाने का उद्देश्य यह संदेश देना है कि शहर में सार्वजनिक स्थानों पर अवैध कब्जा किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार कई दुकानदारों ने पहले ही अपना सामान स्वयं हटाना शुरू कर दिया है, जबकि कुछ स्थानों पर नगर पालिका की टीम को कार्रवाई करनी पड़ी।

यह बोले नपाधिकारी

अधिकारियों ने कहा कि शहर को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाने के लिए सभी नागरिकों का सहयोग आवश्यक है। नगर पालिका का कहना है कि अतिक्रमण हटाओ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। जिन क्षेत्रों में दोबारा अतिक्रमण की शिकायत मिलेगी, वहां पुनः कार्रवाई की जाएगी। आवश्यकता पड़ने पर जब्ती के साथ-साथ नियमानुसार जुर्माने की कार्रवाई भी की जा सकती है। प्रशासन का उद्देश्य किसी को परेशान करना नहीं, बल्कि सार्वजनिक मार्गों को अतिक्रमण मुक्त रखकर शहर की व्यवस्था को बेहतर बनाना है। नगर पालिका ने स्पष्ट किया है कि अभियान नियमित रूप से जारी रहेगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्ती बरती जाएगी।

बाजार नहीं था खुला

शनिवार सुबह अभियान शुरू होने का समय साढ़े छह बजे रखा गया था। इस समय बाजार में लोगों की आवाजाही भी कम थी और अधिकांश दुकानें खुली नहीं थीं। इसी कारण कार्रवाई बिना किसी विरोध के पूरी हो गई। अधिकारियों का मानना है कि सुबह के समय अभियान चलाने से यातायात भी प्रभावित नहीं होता और कार्रवाई अधिक प्रभावी ढंग से की जा सकती है। नगर पालिका ने दुकानदारों से अपील की है कि वे अपनी दुकानों का सामान निर्धारित सीमा के भीतर ही रखें और सड़क या फुटपाथ पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण न करें।

न्यूज डायरी

हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी को नगरपालिका क्षेत्र में शामिल करने की मांग

महेंद्रगढ़। हाउसिंग बोर्ड रेजिडेंशियल वेलफेयर एसोसिएशन सिसोठ का एक प्रतिनिधिमंडल प्रधान मुकेश देवी एवं सचिव मा. नित्यानंद के नेतृत्व में नगर पालिका कार्यालय पहुंचा और अध्यक्ष रमेश सैनी से भेंट की। प्रतिनिधिमंडल ने अध्यक्ष को ज्ञापन सौंपकर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी सिसोठ को महेंद्रगढ़ नगर पालिका के अधिकार क्षेत्र में शामिल करने की मांग रखी। ज्ञापन में बताया गया कि कॉलोनी में वर्तमान में 175 मकान निर्मित हैं और सैकड़ों परिवार निवास करते हैं। नगर पालिका सीमा से बाहर होने के कारण कॉलोनी में सफाई, स्ट्रीट लाइट, सड़कों का रखरखाव, पार्कों का विकास एवं जल निकासी जैसी मूलभूत नागरिक सुविधाओं का अभाव है। इससे महिलाओं, बच्चों एवं बुजुर्गों को प्रतिदिन असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। सचिव मा. नित्यानंद ने कहा कि महेंद्रगढ़ नगर पालिका को नगर परिषद में शामिल करने की प्रक्रिया चल रही है।

नवनियुक्त प्रधान महिपाल सिंह ने किया गोशाला का निरीक्षण

मंडी अटेली। श्री कृष्ण बाल गोपाल गोशाला बिहाली के नवनियुक्त प्रधान एवं गांव तोबड़ा निवासी महिपाल सिंह ने पदभार संभालने से पहले गोशाला का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने व्यवस्थाओं का जायजा लिया और संबंधित लोगों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। इस मौके पर महिपाल सिंह ने कहा कि सेवा करना मानव का सबसे पहला कर्म और धर्म है, जिसे निस्वार्थ भाव से करना चाहिए। उन्होंने कहा कि गोवंश की सेवा करने से मन को शांति मिलती है और घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहती है। उन्होंने धार्मिक मान्यता का उल्लेख करते हुए कहा कि गोवंश में 33 करोड़ देवी-देवताओं का निवास माना जाता है, इसलिए इसकी सेवा विशेष महत्व रखती है।उ ल्लेखनीय है कि इससे पहले गोशाला के प्रधान महावीर प्रसाद थे जिनका कार्यकाल पूरा होने के बाद महिपाल सिंह को सर्वसम्मति से प्रधान मनोनीत किया गया है। ऐसे में हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी सिसोठ को भी नगर परिषद के क्षेत्र में शामिल किया जाए, ताकि कॉलोनीवासियों को नियमित नागरिक सेवाएं मिल सकें। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल में सूबेदार सतबीर सिंह, गोपीचंद, संजय यादव, एडीओ रविन्द्र सिंह एवं प्रेस सचिव मुकेश चौहान उपस्थित रहे।

हरित वसुंधरा आधार समिति का पहला पौधरोपण अभियान सम्पन्न

नारनौल। पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से कार्यरत हरित वसुंधरा आधार समिति की ओर से मानसून सीजन का प्रथम पौधारोपण अभियान शनि मंदिर प्रांगण गांव खासपुर में सम्पन्न किया गया। अभियान के अंतर्गत फलदार एवं छायादार प्रजातियों के 100 पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ हरियाणा महिला आयुग सदस्य भारती सैनी के करकमलों से पौधारोपण कर किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की सर्वोच्च प्राथमिकता है। पौधों के बिना पृथ्वी पर प्राणी जगत की कल्पना असंभव है, इसलिए प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह अधिक से अधिक पौधे लगाए तथा उनकी नियमित देखभाल भी सुनिश्चित करे। उन्होंने विगत आठ वर्षों से हरित वसुंधरा आधार समिति की ओर से शहर व आसपास के क्षेत्रों में पर्यावरण संरक्षण के लिए निरंतर किए जा रहे पौधारोपण, संरक्षण एवं जन-जागरूकता अभियानों की सराहना करते हुए समिति के प्रयासों को समाज के लिए प्रेरणादायी बताया। समिति की ओर से प्रधान एडवोकेट हर्ष सैनी, उपप्रधान जगदीश यादव, सचिव सुरेश सैनी सहित अन्य पदाधिकारी यव सदस्य उपस्थित रहे। पौधारोपण मुहिम के सफल संचालन व समन्वय की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी समिति के पूर्व उपप्रधान एवं संस्थापक सदस्य राजेश सैनी ने निभाई।

मनचलों की अश्लील हरकतों का ऊंची आवाज में विरोध करें: डीएसपी कविता

नांगल चौधरी। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कांवी में जिंदगी की खुशियां फाउंडेशन के तत्वावधान में यौन उत्पीड़न के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसकी अध्यक्षता संस्था के फाउंडर एडवोकेट मंजूर अहमद ने की, जिसमें डीएसपी कविता बतौर मुख्यातिथि मौजूद रहीं। पूर्व मंत्री डॉ. अभय सिंह व खंड शिक्षा अधिकारी विकास जयदीप ने विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थिति दर्ज कराई। इस दौरान छात्र-छात्राओं को महिला सुरक्षा, बाल अधिकार, साइबर अपराध व कानूनी अधिकारों की जानकारी देने के साथ सामाजिक दायित्वों से अवगत कराया गया। डीएसपी ने कहा कि जागरूकता ही सुरक्षा की सबसे मजबूत ढाल है। इसलिए किसी प्रकार का उत्पीड़न या साइबर अपराध होने पर बिना देरी किए शिकायत करें। मनचलों की अश्लील हरकतों का ऊंची आवाज में विरोध करें तथा आरोपित को पहचानने का नाटक करते हुए भीड़ की तरफ जाने की कोशिश करें। उन्होंने कहा कि अश्लील हरकतों को अनदेखा करने पर मनचलों का हौंसला बढ़ने लगेगा तथा वह घातक प्रयास कर सकता है। पूर्व विधायक ने कहा कि शिक्षा केवल रोजगार का माध्यम नहीं, बल्कि बेहतर समाज के निर्माण का आधार भी है।

नहर पुल व सड़क निर्माण मंजूरी मिलने पर बांटी मिठाई

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के गांव दौंगड़ा अहीर के ग्रामीणों के लिए बड़ी राहत की खबर सामने आई है। गांव दौंगड़ा अहीर से नानकवास नहर पर पुल तथा सड़क निर्माण कार्य को सरकार द्वारा मंजूरी मिल गई है। इस स्वीकृति के बाद पूरे गांव में खुशी का माहौल है। इस बारे में जानकारी देते हुए ग्रीवेंस कमेटी सदस्य विजय उर्फ सोनू दौंगड़ा अहीर ने बताया कि करीब छह माह पहले ग्रामीणों की ओर से इन दोनों महत्वपूर्ण मांगों को लेकर स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव को एक मांग पत्र सौंपा गया था। उन्होंने बताया कि गांव से नानकवास नहर तक पुल और सड़क निर्माण का कार्य कई वर्षों से लंबित पड़ा हुआ था, जिस कारण लोगों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता था। बरसात के दिनों में स्थिति और भी गंभीर हो जाती थी, जिससे विद्यार्थियों, किसानों एवं आम लोगों को काफी दिक्कतें झेलनी पड़ती थीं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए, जिसके परिणामस्वरूप अब इस कार्य को मंजूरी मिल पाई है।

राव रामचन्द्र मेमोरियल स्कूल में शिक्षक व अभिभावक बैठक

कनीना। राव रामचन्द्र मेमोरियल स्कूल में शिक्षक व अभिभावक बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें मासिक परीक्षा का परिणाम अभिभावकगण को बताया गया। इस बैठक की अध्यक्षता कक्षा नर्सरी से प्रभारी रचना, पहली और दूसरी की प्रभारी कविता, कक्षा तीसरी से बारहवीं के प्रभारी विनय कुमार और कृष्ण कुमार के देखरेख में हुई। विद्यालय के प्रभारियों ने बताया कि समय-समय पर इस तरह की बैठक का आयोजन विद्यालय में होता रहता है। सभी शिक्षकों और अभिभावकों ने मिलकर बच्चों का संपूर्ण विकास कैसे किया जाए व नई-नई तकनीकी तरीकों के बारे में आपस में चर्चा की ताकि बच्चे में और सुधार हो और परीक्षा परिणाम और भी बेहतर हो। इसी क्रम में संस्था चेयरमैन रोशनलाल ने भी सभी अभिभावकों से मुलाकात की और बच्चों के बेहतर परिणाम के लिए सभी विषयों पर चर्चा की। संस्था प्राचार्य हरिप्रकाश ने भी सभी अभिभावकों को धन्यवाद किया विद्यालय पहुंचने पर और आगे भी समय-समय पर बच्चों की शिक्षा में सुधार के लिए हर में आने का आग्रह किया।

विश्व जनसंख्या दिवस पर भाषण और नाटक से दिया जागरूकता का संदेश

महेंद्रगढ़। रामचंद्र पब्लिक स्कूल में विश्व जनसंख्या दिवस एवं बैग मेंटेनें सडे उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यार्थियों के प्रेरणादायक भाषणों से हुई, जिनमें बढ़ती जनसंख्या के प्रभाव, संसाधनों के संतुलित उपयोग तथा जागरूक नागरिक बनने का संदेश दिया गया। इसके बाद कक्षा चौथी के विद्यार्थियों ने जनसंख्या जागरूकता पर आधारित एक प्रभावशाली नाटक प्रस्तुत कर उपस्थित सभी का ध्यान आकर्षित किया। बैगमेंटेनें सडे के अंतर्गत विद्यार्थियों को अपने स्कूल बैग को साफ-सुथरा, व्यवस्थित एवं आवश्यक सामग्री से युक्त रखने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन एक्टिविटी इंचार्ज अनीता के निर्देशन में हुआ। विद्यालय के शैक्षणिक प्रभारी शिवचरण शर्मा, चेयरमैन रोशनलाल यादव तथा कोऑर्डिनेटर ऋतु यादव ने विद्यार्थियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों में सामाजिक जागरूकता, अनुशासन और जिम्मेदारी की भावना का विकास करते हैं।

स्लम एरिया की प्रतिभाओं को मिलेगा नई उड़ान का मंच

- संवेदनशील और आदर्श समाज के निर्माण में कला परिषद की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। अतिथिगण को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा कला के उपाध्यक्ष महेश जोशी परिषद ने स्लम एरिया टैलेंट के बच्चों से संवाद किया। उन्होंने कहा कि कला मानव मन की गहरी अनुभूतियों, विचारों, कल्पनाओं और भावनाओं की सशक्त अभिव्यक्ति है।

कला केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं को जागृत कर समाज में व्याप्त समस्याओं, विसंगतियों व विद्रूपताओं के प्रति जन-जागरूकता पैदा करने का प्रभावी साधन भी है। एक संवेदनशील और आदर्श समाज के निर्माण में कला परिषद की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने स्लम एरिया टैलेंट के संस्थापक हन्नी गुप्ता व उनकी टीम के सामाजिक सरोकारों की सराहना करते हुए कहा गया कि वे समाज के अंतिम छोर पर रहने वाले प्रतिभाशाली बच्चों को खोजकर उन्हें अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर प्रदान कर रहे हैं।

परिषद ने घोषणा की कि प्रदेशभर में नाटक, नृत्य, चित्रकला, संगीत व अन्य ललित कलाओं के निःशुल्क प्रशिक्षण हेतु विभिन्न कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा, ताकि संसाधनों का अभाव किसी भी बच्चे की सफलता में बाधा न बन सके। डॉ. पंकज गौड़ ने कहा कि स्लम एरिया के बच्चों की प्रतिभा, आत्मविश्वास और सीखने की ललक को देखकर यह विश्वास मजबूत हुआ है कि देश का भविष्य इन नन्हें सक्षम हाथों में सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि यदि इन बच्चों को उचित मंच, मार्गदर्शन और अवसर उपलब्ध कराए जाएं, तो वे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकते हैं।

पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया

हिम्मत सिंह ने कहा कि अभाव कभी भी प्रतिभा को रोक नहीं सकते। मंच संचालन अंतर सिंह सिंह व रीना ने किया। महेश जोशी ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस मौके पर सचिन अग्रवाल, हन्नी गुप्ता, विद्यार्थी, कलाकार, अभिभावक व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

पत्रकार संघ प्रधान ने जन्मदिन पर किया पौधरोपण

मंडी अटेली। पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए पत्रकार संघ अटेली के प्रधान आनंद शर्मा ने अपने जन्मदिन को एक विशेष और प्रेरणादायक तरीके से मनाया। उन्होंने इस अवसर पर कोई दिखावा करने के बजाय अपनी माता इंद्रावती देवी व परिजनों के साथ मिलकर पौधारोपण किया और समाज को प्रकृति के साथ जुड़ने का सशक्त संदेश दिया। इस मौके पर आनंद शर्मा ने कहा कि जन्मदिन मात्र खुशियां मनाने का अवसर नहीं है बल्कि यह आत्मचिंतन और समाज के प्रति अपने कर्तव्यों को निभाने का दिन भी है। इस मौके पर वार्ड नंबर एक की पार्षद शर्मिला देवी, लक्ष्मण, कासिम, शांतनु, सूरजभान सहित परिवार के सदस्य और क्षेत्र के गणमान्य नागरिक विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कार्यालय ग्राम पंचायत, श्योरामनाथपुरा (सिलारपुर)
ब्लॉक नाँगल चौधरी, जिला-महेन्द्रगढ़ (हरियाणा), मो. 7015414780

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि 17.07.2026 को प्रातः 11 बजे ग्राम पंचायत श्योरामनाथपुरा (सिलारपुर) खण्ड नांगल चौधरी के बाबा ब्रज मोहन मन्दिर के पास वाले अमृत सरोवर जोहड़ को मछली पालन हेतु 5 वर्षों के लिए पट्टे पर छोड़ा जायेगा। जिसके लिए निम्नलिखित शर्तें होगी।
1. यह कि सिक्योरिटी राशि 5000 रुपए होगी
2. पट्टा 5 वर्षों के लिए छोड़ा जाएगा। अन्य शर्तें मौके पर सुनाई जाएगी।

हस्ता/- सोना कुमारी, सरपंच,
ग्राम पंचायत श्योरामनाथपुरा (सिलारपुर) हरि.

शहर में अनगिनत है अवैध भवन, जो अनअप्रूव्ड या नक्शा नहीं है पास, नियमों को दरकिनार कर तैयार हो रही बिल्डिंगें

5 जगह सील, अब नोटिस भेजे नियमों से परे, 22 भवन को भी सील करने की तैयारी

■ अधिकारियों की इस कार्रवाई से राजनीतिक अप्रोचियों की बढ़ी टेंशन, पार्षद ने कार्रवाई को सराहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नगर परिषद इन दिनों एक्शन मोड़ में है। शहर में नियमों के विरूद्ध बनाए गए रिहायशी व गैर रिहायशी भवनों के खिलाफ विशेष अभियान शुरू किया है। इसी के तहत पहले ऐसे चिन्हित कर 27 भवन मालिकों को नोटिस भेजे गए। कोई सकारात्मक व नियमों के मुताबिक जवाब नहीं मिलने पर तीन दिन पहले शहर में पांच जगह दुकान भवन को सील किया गया है। अब बाकी अन्य 22 जगह पर कार्रवाई की तैयारी है।

वहीं शहर में अन्य ऐसी जगह को चिन्हित कर नोटिस भेजने की तैयारी भी चल रही है। नगर परिषद प्रशासन की इस कार्रवाई को आमजन ने तो बेहतर बताया है ही, साथ ही पार्षद भी अब खुलकर सामने आए है और नियमों को नहीं मानने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने की बात कह रहे है।

इन 5 जगह की सीलिंग कार्रवाई

नगर परिषद ने यह कार्रवाई एक्सईएन राकेश पूनिया को ड्यूटी मैजिस्ट्रेट नियुक्त किया। उनकी अगुवाई में करीब पांच व्यवसायिक व रिहायशी भवनों पर सीलिंग की कार्रवाई की गई। बस स्टैंड के सामने एक व्यवसायिक भवन में एक निजी अस्पताल की ओर से चलाए जा रहे मरीज वार्ड को तत्काल प्रभाव से जगह खाली करने के निर्देश दिए गए। यहां एक निजी अस्पताल द्वारा मरीजों के वार्ड और बेसमेंट में लैब संचालित करने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा था। भवन में मरीज भर्ती होने की जानकारी मिलने पर अधिकारियों ने अस्पताल प्रबंधन को दो घंटे में भवन खाली करने के निर्देश दिए। समय सीमा के बाद शाम को दोबारा टीम पहुंची तो मरीजों को शिफ्ट नहीं किया गया था। इस पर नगर परिषद ने भवन को सील कर दिया। वहीं मरीजों को दूसरे स्थान पर स्थानांतरित करने के लिए एक दिन का समय दिया। इस दौरान नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी जोगेंद्र सिंह कालीरामणा व बिल्डिंग इंस्पेक्टर प्रवीण खटक की भी उपस्थिति रही। इसके अलावा नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम के पास निर्माणाधीन मकान, दुकान व निजामपुर रोड पर बनाई गई एक दुकान के मालिक को भी नोटिस भेजकर नियमानुसार अनुमति लेने की हिदायत दी गई थी। नोटिस के बाद नगर परिषद टीम ने इन भवनों को सील किया।

नियम नहीं मानने वालों पर हो कार्रवाईः पार्षद

नियमों को दरकिनार कर शहर में बन रही इमारतों पर नगर परिषद की कार्रवाई सराहनी कार्य है। जहां नगर परिषद की जमीन पर कब्जे है, उन्हें छुड़वाया जाए। अतिक्रमण पर पूरी तरह से लगाम हो। नियमों को नहीं मानकर भवन बनाने वाले मालिकों पर निरंतर कार्रवाई होनी चाहिए। इस कार्य के लिए वह ईओ जोगेंद्र सिंह कालीरामणा को धन्यवाद देते है।

6 पहले भेजे गए नोटिस, अभी और किए जा रहे चिन्हित

नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी जोगेंद्र सिंह कालीरामणा ने बताया कि नगर परिषद की ओर से पिछले कुछ दिनों से शहर में ऐसे भवनों को चिन्हित किया जा रहा है जिनके द्वारा भवन निर्माण के दौरान नियमानुसार परिषद से दस्तावेजी अनुमति नहीं ली गई है। ऐसे भवन मालिकों को परिषद की ओर से नोटिस दिए जा रहे हैं। इसके बाद उक्त भवनों पर सीलिंग की कार्रवाई की जाएगी। अभी पांच जगह सीलिंग का कार्य पूरा किया है और यह प्रक्रिया अभी निरंतर जारी रहेगी। शहर में जहां नियमों के विरुद्ध निर्माण किए जा रहे हैं उन्हें नोटिस जारी किए जाएंगे।

डिलीवरी के दौरान महिला को दिया रक्त

नारनौल। आपके पास एक ही जीवन है। इसे बहाने बनाकर व्यर्थ न गंवाएं, बल्कि अच्छे कर्मों से इसे सार्थक बनाएं। इस प्रेरक संदेश को साकार करते हुए युवा साथी ग्रुप हरियाणा व उड़ान जनसेवा ट्रस्ट ढाणी बाठोठा की इमरजेंसी रक्तदान मुहिम के तहत संस्था के रक्तवीर बजरंग गुर्जर ने मानवता की मिसाल पेश की। संस्था को सूचना मिली कि डेरोली जाट निवासी विजयपाल की पत्नी आशा को डिलीवरी के दौरान एबी पॉजिटिव रक्त की तत्काल आवश्यकता है। सूचना मिलते ही बजरंग गुर्जर बिना समय गंवाए नागरिक अस्पताल के ब्लड बैंक पहुंचे और स्वेच्छा से रक्तदान कर जरूरतमंद महिला की मदद की। समय पर मिले रक्त से उपचार में सहायता मिली और परिजनों ने रक्तदाता व संस्था का आभार व्यक्त किया। युवा साथी ग्रुप हरियाणा व उड़ान जनसेवा ट्रस्ट पिछले कई वर्षों से इमरजेंसी रक्तदान अभियान संचालित कर रहे है।

चिंकारा रेस्ट हाउस कॉलोनी में एक सप्ताह से नहीं पहुंचा पेयजल, लोग टैंकरों के सहारे

तुगलकी फरमान: एक कॉलोनी को राहत देने के प्रयास में दूसरी की पेयजल सप्लाई कर दी बंद

सीएल फार्म कॉलोनी में घटा पानी का प्रेशर तो विभाग ने नई चार इंच की लाइन पर ही लगाया कैप, अब वाल्व लगाकर समाधान का दावा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। रेवाड़ी रोड पर बना वाटर बूस्टिंग स्टेशन। फोटो : हरिभूमि

जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के एक जेई के तुगलकी फरमान ने रेवाड़ी रोड स्थित दो कॉलोनियों के सैकड़ों परिवारों को पेयजल संकट में धकेल दिया है। कैलाश नगर की चिंकारा रेस्ट हाउस कॉलोनी में घर-घर पानी पहुंचाने के लिए हाल ही में बिछाई गई नई चार इंच की पाइप लाइन को मुख्य नौ इंच की लाइन से जोड़ने के बजाय छह इंच की लाइन से जोड़ दिया गया। इसी छह इंच की लाइन से पहले से सीएल फार्म के समीप बसी कॉलोनी को पानी की आपूर्ति हो रही थी।

नई लाइन जुड़ते ही दोनों कॉलोनियों में पानी का दबाव घट गया और विवाद बढ़ने पर विभाग ने चिंकारा रेस्ट हाउस कॉलोनी की लाइन पर ही कैप लगाकर पानी की सप्लाई पूरी तरह बंद कर दी। नतीजतन यहां के लोग पिछले एक सप्ताह से पीने के पानी की एक-एक बूंद के लिए परेशान हैं।

स्थानीय लोगों के अनुसार चिंकारा रेस्ट हाउस कॉलोनी में लंबे समय से नई पाइप लाइन की मांग की जा रही थी। विभाग ने हाल ही में चार इंच की लाइन बिछाकर घरों तक कनेक्शन तो दे दिए, लेकिन उसे छोटी लाइन से जोड़ दिया। कॉलोनीवासियों का कहना है कि उन्होंने शुरुआत में ही अधिकारियों और कर्मचारियों को सुझाव दिया था कि नई लाइन को नौ इंच की पाइप लाइन से जोड़ा जाए, ताकि दोनों क्षेत्रों में पानी का दबाव प्रभावित न हो, लेकिन उनकी बात मानने की बजाए कर्मचारियों द्वारा मनमानी की गई।

नई लाइन शुरू होने के बाद सीएल फार्म कॉलोनी में पानी की आपूर्ति लगभग ठप हो गई। शुरुआत में विभाग ने दोनों कॉलोनियों में अलग-अलग समय पर पानी देने का प्रयोग किया, लेकिन जब वाटर टैंकरों का पानी खत्म होने लगा और राशनिंग की जाने लगी, तब यह व्यवस्था फेल हो गई। पानी की उपलब्धता कम होने का हवाला देते हुए सप्लाई दो दिन में एकबार सुबह पांच से साढ़े छह बजे तक सीमित कर दी गई। इससे दोनों कॉलोनियों के लोग पर्याप्त पानी से वंचित रहे।

जब करीब एक सप्ताह तक परेशानी झेलने के बाद सीएल फार्म कॉलोनी की महिलाओं का धैर्य टूट गया। वे खाली मटके लेकर नजदीक ही बने वाटर बूस्टिंग स्टेशन पहुंचीं और कर्मचारियों के सामने मटका फोड़कर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद विभाग ने समस्या का तकनीकी समाधान निकालने के बजाय चिंकारा रेस्ट हाउस कॉलोनी की चार इंच की लाइन पर कैप लगाकर उसकी सप्लाई ही बंद कर दी। इसके बाद से इस कॉलोनी में पानी की एक बूंद भी नहीं पहुंची है और लोग निजी टैंकरों से पानी मंगाने को मजबूर हैं।

यह बोले परेशान लोग

चिंकारा रेस्ट हाउस कॉलोनी निवासी सूबेदार बलबीर सिंह यादव, रामौतार सैनी, कुलदीप सिंह, ओमप्रकाश, कैलाश सैनी, अनीता, पूजा और निशा ने बताया कि नई लाइन बिछने के बाद कुछ दिन तक अनियमित रूप से पानी मिला, लेकिन पिछले एक सप्ताह से नलों में एक बूंद भी पानी नहीं आया। उनका आरोप है कि जेई संजय ने बिना किसी सूचना और वैकल्पिक व्यवस्था के उनकी लाइन बंद कर दी। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द नियमित पेयजल आपूर्ति बहाल नहीं की गई तो कॉलोनीवासी आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

वाल्व लगाकर करेंगे समाधान

जनस्वास्थ्य विभाग के जेई संजय कुमार ने बताया कि नई चार इंच की लाइन जुड़ने के बाद सीएल फार्म कॉलोनी की पानी आपूर्ति प्रभावित हो गई थी। इसी कारण फिलहाल नई लाइन को बंद किया गया है। जल्द ही इस लाइन पर नया वाल्व लगाया जाएगा, जिसके बाद दोनों कॉलोनियों में बारी-बारी से पानी की आपूर्ति की जाएगी, ताकि किसी भी क्षेत्र में पेयजल संकट न रहे।

अंडरपास की समस्याओं को लेकर डीआरएम को सौंपेंगे ज्ञापन

मंडी अटेली। अटेली मण्डी अंडरपास निर्माण संघर्ष समिति ने अंडरपास में लाइटें लगाने सहित विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग तेज कर दी है। समिति के संचालक डॉ. राजेन्द्र प्रसाद खरब ने बताया कि संघर्ष समिति का एक प्रतिनिधिमंडल 13 जुलाई को जयपुर में उत्तर पश्चिम रेलवे जयपुर मंडल के डीआरएम एवं डीएफसीसीआईएल के सीजेएम को ज्ञापन सौंपेगा। उन्होंने बताया कि इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व स्वयं डॉ. राजेन्द्र प्रसाद खरब करेंगे। जबकि इसमें संघर्ष समिति के सचिव मास्टर सुबे सिंह और रिटायर्ड कैप्टन कृष्ण कुमार खरब सहित अन्य सदस्य भी शामिल होंगे। डॉ. खरब ने कहा कि अटेली मण्डी अंडरपास में लाइटों की व्यवस्था नहीं होने के कारण वहां हमेशा अंधेरा बना रहता है जिससे दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। इसके अलावा अंधेरे के कारण आमजन के साथ किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना होने का खतरा भी बना रहता है। उन्होंने बताया कि प्रतिनिधिमंडल केवल लाइटों की व्यवस्था ही नहीं बल्कि अंडरपास से जुड़ी अन्य लंबित समस्याओं और विसंगतियों के समाधान की मांग भी अधिकारियों के समक्ष रखेगा।

तहसीलदार की अनुशंसा पर 7 लोगों पर केस दर्ज

महेंद्रगढ़। तहसीलदार की अनुशंसा पर शहर थाना पुलिस ने विवादित भूमि पर कथित रूप से अवैध रूप से फसल की बिजाई करने के आरोप में सात लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार महेंद्रगढ़ सिटी पुलिस की रिपोर्ट पर एसडीएम कनिका गोयल की अदालत ने 24 दिसंबर 2025 को आदेश जारी करते हुए तहसीलदार महेंद्रगढ़ को संबंधित विवादित भूमि का रिसीवर नियुक्त किया था। एसडीएम महेंद्रगढ़ के आदेश पर तहसीलदार ने रपट नंबर 477 19 जनवरी 2026 के माध्यम से गांव माजरा खुर्द स्थित विवादित भूमि पर कब्जा ले लिया था। अब तक किसी भी न्यायालय ने उपरोक्त भूमि का किसी भी पक्ष को कब्जा वापस नहीं लौटाया है। आरोप है कि इसके बावजूद गांव माजरा खुर्द निवासी संदीप, संजीव, मनोज, दयानंद तथा धोलिया सहित अन्य ने भूमि के कुछ हिस्से में बाजरा एवं अन्य फसलों की बिजाई कर दी। इस संबंध में रावती देवी, सुनैन, मदाल के मुख्तारआम राजेश कुमार ने नौ जुलाई को तहसीलदार महेंद्रगढ़ को एक शिकायत दी थी। तहसीलदार महेंद्रगढ़ द्वारा हल्का पटवारी से उपरोक्त भूमि पर कास्त को लेकर रिपोर्ट मांगी गई। राजेश कुमार की शिकायत पर तहसीलदार अजय कुमार ने नौ जुलाई को थाना शहर महेंद्रगढ़ में लोगों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई की अनुशंसा की थी। तहसीलदार की अनुशंसा के आधार पर शहर थाना पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की धारा 324(2), 329(3) धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है तथा जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी

महर्षि च्यवन मेडिकल कॉलेज का होगा स्वास्थ्य सेवाओं के भविष्य का लोकार्पण

■ 17 जुलाई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे कॉलेज का लोकार्पण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से 17 जुलाई को किए जाने वाले महर्षि च्यवन मेडिकल कॉलेज कोरियावास के लोकार्पण समारोह में आम जानता को आमंत्रित करते हुए पूर्व मंत्री डॉक्टर अभय सिंह यादव ने क्षेत्र की जनता का आह्वान करते हुए कहा कि यह लोकार्पण समारोह इस समस्त क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं के सुनहरे भविष्य का लोकार्पण है। उन्होंने कहा कि लंबे समय से उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित यह क्षेत्र इस मेडिकल कॉलेज को उच्च स्तर की सुविधाओं के साथ चलाने की लंबे अरसे से इंतजार कर रहा है। प्रधानमंत्री द्वारा किया जाने वाला यह लोकार्पण इस संस्था के लिए कई मायने में महत्वपूर्ण रहेगा, जो भविष्य में इसको एक विकसित संस्था बनने का मार्ग प्रशस्त करेगा।

उन्होंने सभी लोगों से इस लोकार्पण कार्यक्रम में भाग लेने का आह्वान करते हुए कहा ऐसी संस्थाएं किसी भी तरह की मान्यताओं और सीमाओं से परे होती हैं। इनमें सर्व समाज का हित निहित होता है। अतः सभी लोग स्थानीय राजनीति की सीमाओं से ऊपर उठ कर चाहे वह किसी भी राजनीतिक दल या विचारधारा से संबंध रखते हों, सभी इस अवसर पर अपनी उपस्थिति दर्ज करें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री इस संस्था का डिजिटल लोकार्पण करेंगे तथा कोरियावास मेडिकल कॉलेज के प्रांगण में इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री आरती राव व जिले के सभी विधायक, पूर्व विधायक भाजपा के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता भी उपस्थित रहेंगे। उन्होंने सभी से कहा कि सभी मिल जुलकर इस कार्यक्रम को सफल बनाएं।

एबीवीपी नारनौल नगर इकाई की घोषणा, सुभाष शर्मा बने नगर मंत्री

नारनौल। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के 78वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए जिला संयोजक कमल रोहिल्ला ने बताया कि कार्यक्रम में जिला प्रमुख डॉ. अविनाश यादव के मार्गदर्शन में नारनौल नगर इकाई की औपचारिक घोषणा की गई। जिसमें डॉ. सुरेंद्र कुमार को नगर अध्यक्ष व सुभाष शर्मा को नगर मंत्री का दायित्व सौंपा गया। नगर अध्यक्ष डॉ. सुरेंद्र कुमार ने कहा कि एबीवीपी एक ऐसा संगठन है, जो विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ समाज और राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इकाई को संगठनात्मक रूप से सशक्त बनाने के लिए कल्पना शर्मा, खुशी व कुमकुम को सह मंत्री, मोनिका को कार्यालय मंत्री, अनिकेत को महाविद्यालय संयोजक, पारुल को महाविद्यालय सहसंयोजक, प्रिया को विद्यालय संयोजक, सह संयोजक साक्षी, छात्रावास संयोजक वसुंधरा, सहसंयोजक पायल, रितिका को एनएसएस संयोजक, सह संयोजक मीनू, ज्योति को एनसीसी संयोजक बनाया गया। वहीं मंजीत, निखिल, आशीष, प्रीति व प्रिया को कार्यकारिणी सदस्य की जिम्मेदारी दी गई।

वेतनमान में संशोधन के लिए विधायक को सौंपा मांग पत्र

महेंद्रगढ़। हरियाणा परिवहन के पिछड़ा वर्ग महासभा संगठन के राज्य कार्यकारिणी सदस्यों ने विधायक कंवर सिंह से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान डिपो प्रधान वेदप्रकाश एवं सचिव सुनील कुमार के नेतृत्व में समस्त कार्यकारिणी ने अपनी लंबित मांगों को लेकर विधायक को एक ज्ञापन सौंपा। संगठन के पदाधिकारियों ने विधायक के माध्यम से सरकार तक बात पहुंचाते हुए कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा सीधी भर्ती में तो ओबीसी वर्ग को आरक्षण का लाभ दिया जा रहा है, लेकिन विभाग में पदोन्नति (प्रमोशन) के समय इस नियम को लागू नहीं किया जा रहा। इस नीति के कारण पदोन्नत पदों पर ओबीसी वर्ग का प्रतिनिधित्व लगातार घट रहा है और यह वर्ग पिछड़ता जा रहा है। इस मौके पर महासचिव सुनील राता, उप प्रधान अजीत कुमार, प्रवक्ता चंद्रपाल, सुनील चमनपुरिया, वीरेंद्र नांगल, हरि सिंह सैनी, रवि भीलवाडा, मुकेश नांगल सिरोही, हरिकिशन लहरौदा, दीपक कुमार, देवेंद्र, अजीत व सामाजिक कार्यकर्ता रामनिवास पाटोदा सहित लोग उपस्थित रहे।

सीएम 9 अगस्त को सुबह 7 बजे दिखाएंगे हरी झंडी

नारनौल। हरियाणा उदय कार्यक्रम के तहत प्रदेश में सामुदायिक जुड़ाव को बढ़ावा देने के लिए शहर में भव्य हाफ मैराथन का आयोजन किया जाएगा। नशामुक्त हरियाणा की थीम पर आधारित इस दौड़ की शुरूआत नौ अगस्त को सुबह सात बजे बजे होगी। प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि के तौर पर इस आयोजन में शामिल होंगे और हरी झंडी दिखाकर धावकों का उत्साह बढ़ाएंगे। यह जानकारी देते हुए उपायुक्त अनुपमा अंजली ने बताया कि जिले के नागरिकों के लिए इतने बड़े स्तर के कार्यक्रम की मेजबानी करना बेहद गौरव की बात है। इस मैराथन का मुख्य मार्ग महेंद्रगढ़ रोड तय किया गया है, जिसकी शुरूआत मुख्यमंत्री आईटीआई से करेंगे। उन्होंने बताया कि धावकों की सुरक्षा और सुविधा के लिए पूरे रास्ते में पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं, जिसमें चिकित्सा सहायता केंद्र, एम्बुलेंस की तैनाती, पीने के पानी की व्यवस्था और जगह-जगह स्वयंसेवकों की मौजूदगी शामिल है। आम जनता, विशेषकर युवाओं को इस अभियान से जोड़ने के लिए स्कूलों, कॉलेजों और स्थानीय रनर क्लबों का भी पूरा सहयोग लिया जा रहा है। इस मैराथन में हिस्सा लेने के लिए जिला प्रशासन द्वारा दो श्रेणियां बनाई गई हैं, जिसमें पहली श्रेणी पांच किलोमीटर दौड़ की है और दूसरी श्रेणी 10 किलोमीटर दौड़ की है।

नशीला पदार्थ बेचने की शिकायत पड़ी महंगी, हमला

नारनौल। शहर के मौहल्ला मिश्रवाड़ा में एक परिवार के सदस्यों पर एक व्यक्ति पर हमला करने का आरोप लगा है। घायल व्यक्ति को नागरिक अस्पताल में भर्ती करवाया गया। पीड़ित ने आरोपित परिवार पर कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित गोपाल सोनी उर्फ मटरू ने बताया कि दोपहर को अपने घर पर ही था। इस दौरान मोहल्ले के ही एक परिवार के सदस्य आए और पहले गाली गलोच की। झगड़ा करने लगे। उनका कहना था कि परिवार के सदस्य को नशीला पदार्थ बेचने के आरोप में गलत पकड़वाया है। इसका हर्जाना भुगतना पड़ेगा। गाली गलौच से झगड़े पर उतारू हो गए। चाकू से हमला कर घायल कर दिया। शोर होने पर लोगों ने छुड़वाया और अस्पताल में भर्ती करवाया। पीड़ित का आरोप है कि उसने सीआईए को अनेक वीडियो इस परिवार के लोगों द्वारा नशीला पदार्थ बेचने की दी हुई हैं। उनके आधार पर ही बीते दिन सीआईए पुलिस ने आरोपित परिवार के एक नामजद युवक को 13 ग्राम हेरोइन के साथ पकड़ा था। इसी बात से नाराज होकर उसका परिवार धमकी दे रहा है। बीते दिन जब धमकी मिली तो वह अपनी दादी को साथ लेकर पहले महिला थाना, फिर सिटी थाना पहुंचा। जब उसने पुलिस को बताया कि वह वहां किराए के मकान में रहता है तथा उसने नशीला पदार्थ बेचने वाले को पकड़वाया, इस कारण जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं तो पुलिस कर्मियों ने शिकायत लेने की बजाए सलाह दी कि अपनी दादी सहित मोहल्ला छोड़ अन्य जगह मकान लेकर रहो। इसी वजह से झगड़ा किया। बचाव किया तो चाकू हाथ में लगा।

संदिग्ध परिस्थितियों में छात्र लापता

कनीना। गांव खेड़ी तलवाना से एक 16 वर्षीय छात्र के लापता होने का मामला सामने आया है। खेड़ी तलवाना निवासी अर्जुन ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें बताया कि उनका बेटा अंकुश नौ जुलाई की शाम छह बजे से घर नहीं लौटा। लापता छात्र अंकुश खेड़ी में संचालित निजी स्कूल में 11वीं कक्षा का छात्र है। परिजनों ने किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा अपहरण की आशंका जताई है। जिस पर पुलिस ने बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर छात्र की तलाश शुरू कर दी है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डेंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरूण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005

बड़ी राहत कार्य पूरा होने के बाद जनता को मिलेगी सुविधा

लंबे समय से चली आ रही जलभराव, जाम और हादसों की समस्या का अब स्थायी समाधान हो सकेगा

कनीना मंडी रोड पर रामपुरी नहर के साइफन सहित 4 पुलों के लिए 2.48 करोड़ मंजूर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कनीना

बजट के तहत चार मुख्य कार्य किए जाएंगे

रामपुरी डिस्ट्रीब्यूटरी पर साइफन का पुनर्निर्माण होगा, जिससे कनीना मंडी रोड की समस्या हल होगी। औलांत डिस्ट्रीब्यूटरी पर वीआर ब्रिज का निर्माण। बसई डिस्ट्रीब्यूटरी पर वीआर ब्रिज का पुनर्निर्माण व नारनौल ब्रांच पर वीआर ब्रिज का निर्माण। सरकार के इस कदम से कनीना अनाज मंडी में अपनी फसल लेकर आने वाले किसानों, व्यापारियों व आम राहगीरों को सुरक्षित और सुगम यातायात की सुविधा मिलेगी। साथ ही दुर्घटनाओं पर भी रोक लगेगी।

सरकार ने अटेली विधानसभा क्षेत्र व कनीना नगर पालिका को एक बड़ी राहत दी है। राज्य के सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग ने क्षेत्र में विभिन्न नहरों पर चार पुल और साइफन के निर्माण तथा पुनर्निर्माण के लिए 248.27 लाख रुपये की प्रशासनिक मंजूरी दे दी है। इस महत्वपूर्ण फैसले से कनीना में मंडी रोड पर लंबे समय से चली आ रही जलभराव, जाम और हादसों की समस्या का अब स्थायी समाधान हो सकेगा। इस समस्या की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए कनीना नगर पालिका के जनप्रतिनिधियों ने बीते समय एक मुहिम चलाई थी। अप्रैल 2026 को नगर पालिका की चेयरपर्सन डॉ. रिम्पी लोढ़ा, वाइस चेयरमैन सुबेसिंह तथा वार्ड पार्षदों ने हरियाणा सरकार की कैबिनेट मंत्री श्रुति चौधरी को एक ज्ञापन सौंपा था। जिसमें बताया गया था कि कनीना मंडी रोड पर रामपुरी नहर की क्रॉसिंग का कुछ हिस्सा सड़क पर आ गया था, जिससे लगातार पानी का रिसाव होता रहता था। क्रॉसिंग के पास सड़क संकरी होने के कारण मंडी आने-जाने वाले भारी वाहनों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता था और वहां कई बड़े सड़क हादसे भी हो चुके थे। पार्षदों ने नहर के अलाइनमेंट को ठीक कर सड़क से उचित दूरी पर करने की मांग की थी। नगर पालिका की इस मांग पर संज्ञान लेते हुए आठ जुलाई को सिंचाई विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव द्वारा जेएलएन वाटर सर्विस सर्कल नारनौल के अधिकार क्षेत्र में आने वाले अटेली निर्वाचन क्षेत्र के लिए 248.27 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है।

क्या कहती हैं नपा चेयरपर्सन

इस बारे में नगर पालिका चेयरपर्सन डॉ. रिम्पी लोढ़ा ने कहा कि इस कार्य के पूरा होने से क्षेत्र में सड़क सुरक्षा बेहतर होगी। वहीं आमजन व भारी वाहनों के आवागमन में सुविधा मिलेगी। उन्होंने इस महत्वपूर्ण कार्य की स्वीकृति के लिए मुख्यमंत्री नायब सैनी, जल संसाधन मंत्री श्रुति चौधरी व स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह का आभार व्यक्त किया है।

रामबास में आज शिव परिवार की प्राण-प्रतिष्ठा

नारनौल। गांव रामबास में 12 जुलाई को शिव परिवार की प्राण-प्रतिष्ठा एवं धार्मिक अनुष्ठान का भव्य आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 8:15 बजे वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन एवं शिव परिवार की प्राण-प्रतिष्ठा के साथ होगा। इसके बाद सुबह 10:15 बजे से सभी श्रद्धालुओं के लिए विशाल भंडारे (प्रसाद वितरण) का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में तिजारा विधायक बालकनाथ महाराज, धौकल नाथ आश्रम (छापर) के महंत शुभनाथ महाराज, आमेर (जयपुर) के महंत गिरवर नाथ महाराज, ठाडेसर आश्रम दूधवा (खेतड़ी) के महंत जसनाथ महाराज तथा हरियाणा सरकार के पूर्व सिंचाई मंत्री डॉ. अभय सिंह यादव विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।